# केंद्रीय विद्यालय संगठन क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर

**Kendriya Vidyalaya Sangathan Regional Office Raipur**

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

# Class - X

# Multiple Choice Question Bank

# [MCQ ] Term – I

## Sanskrit [ 184 ]

Based on Latest CBSE Exam Pattern

for the Session 2021-22

# केंद्रीय विद्यालय संगठन क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर

# Kendriya Vidyalaya Sangathan Regional Office Raipur

उपायुक्त का संदेश

रायपुर क्षेत्र के लिए दसवीं और बारहवीं कक्षा के विभिन्न विषयों के लिए अध्ययन सामग्री प्रकाशित करना मेरे लिए बहुत खुशी की बात है। सीबीएसई द्वारा जुलाई 2021 के महीने में जारी परिपत्र संख्या 51 और 53 के माध्यम से पाठ्यक्रम और मूल्यांकन प्रक्रिया में हालिया परिवर्तनों से परिचित और परिचित होने से छात्रों को परीक्षा के लिए खुद को बेहतर तैयार करने में मदद मिलेगी। अवधारणाओं को समझने, प्रश्नों को समझने के लिए इकाइयों और अध्यायों का अच्छा और गहरा ज्ञान आवश्यक है। अध्ययन सामग्री परीक्षा से ठीक पहले त्वरित संशोधन के लिए उपयुक्त और प्रभावी नोट्स बनाने में मदद करती है।

COVID-19 महामारी की अभूतपूर्व परिस्थितियों के कारण छात्रों और शिक्षकों को कक्षाओं में आमने-सामने बातचीत करने का बहुत सीमित अवसर मिल रहा है। ऐसी स्थिति में पर्यवेक्षित और विशेष रूप से तैयार किए गए मूल्य बिंदु छात्रों को उनकी समझ और विश्लेषणात्मक कौशल को एक साथ विकसित करने में मदद करेंगे। प्रश्न बैंक और अभ्यास पत्रों को पढ़ने के बाद छात्रों को अत्यधिक लाभ होगा। अध्ययन सामग्री एक विशेष बंधन का निर्माण करेगी और शिक्षकों और छात्रों के बीच जोड़ने वाली कड़ी के रूप में कार्य करेगी क्योंकि दोनों एक साथ निर्देशित और अनुभवात्मक अधिगम कर सकते हैं। यह छात्रों को रचनात्मक और महत्वपूर्ण सोच कौशल की खोज और विश्लेषण करने की आदत विकसित करने में मदद करेगा। केस स्टडी, तर्क और पता लगाने से संबंधित प्रश्न पैटर्न में पेश की गई नई अवधारणाएं छात्रों को विभिन्न स्थितिगत समस्याओं पर स्वतंत्र निर्णय लेने के लिए सशक्त बनाएगी। विभिन्न अध्ययन सामग्री को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि छात्रों को उनकी आत्म-सीखने की गति में मदद मिल सके। यह महान शैक्षणिक सिद्धांत पर जोर देता है कि 'सब कुछ सीखा जा सकता है लेकिन कुछ भी नहीं सिखाया जा सकता है'। स्व-प्रेरित सीखने के साथ-साथ पर्यवेक्षित कक्षाएं उन्हें नई शैक्षणिक ऊंचाइयों को प्राप्त करने में मदद करेंगी।

मैं उन सभी प्रधानाध्यापकों और शिक्षकों का तहे दिल से आभार व्यक्त करना चाहता हूं जिन्होंने सभी विषयों के लिए अध्ययन सामग्री तैयार करने की परियोजना को पूरा करने के लिए अथक प्रयास किया है। इस परियोजना को सफल बनाने में उनका अपार योगदान प्रशंसनीय है।

हैप्पी लर्निंग और शुभकामनाएँ!

(विनोद कुमार )

उपायुक्त

# <u>हमारे संरक्षक</u>

## विनोद कुमार

उपयुक्त केंद्रीय विद्यालय संगठन क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर

श्रीमती बिरजा मिश्र ,

सहायक आयुक्त

केंद्रीय विद्यालय संगठन क्षेत्रीय
कार्यालय रायपुर

श्री अशोक कुमार मिश्र

सहायक आयुक्त

केंद्रीय विद्यालय संगठन क्षेत्रीय
कार्यालय रायपुर

## श्रीमती प्रभा मिंज

प्राचार्य ,केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 2 रायपुर

# प्रथम-सत्रम् 2021-22

# विषयः – संस्कृतम्


***निर्मातारौ:***

श्री डी.एन. शुक्ला

श्री दीपक-प्रधानः च

टीजीटी **(**संस्कृत**)**

के.वि.क्र.02 रायपुर


## संस्कृतपाठ्यक्रमः (कोड़ नं. 122)

## कक्षा - दशमी (2021 - 22)

## प्रथमसत्र-परीक्षायाः संशोधित-पाठ्यक्रमः

**(बहुविकल्पात्मकाः प्रश्नाः 40 अङ्काः)**

| | |
|---|---|
| **अनुप्रयुक्त-व्याकरणम्** | **1. सन्धिकार्यम् (1x4=4)**<br><br>**व्यञ्जनसन्धिः -** वर्गीयप्रथमवर्णस्य तृतीयवर्णे परिवर्तनम्,<br>प्रथमवर्णस्य पञ्चमवर्णे परिवर्तनम्<br>**विसर्गसन्धिः** - विसर्गस्य उत्वं, विसर्गस्य स्थाने स्, श्, ष्<br><br>**2. समासः - वाक्येषु समस्तपदानां विग्रहः विग्रहपदानां च समासः (1x4=4)**<br>• तत्पुरुषः - विभक्तिः<br>• अव्ययीभावः (अनु, उप, सह, निर्, प्रति, यथा)<br>• द्वन्द्वः (केवलम् इतरेतर-द्वन्द्वसमासः) |

| | |
|---|---|
| | **3. प्रत्ययाः (1x4=4)**<br><br>• तद्धिताः - मतुप्, त्व,<br>• स्त्रीप्रत्ययः - टाप्<br><br>**4. वाच्यपरिवर्तनम् - केवलं लट्लकारे ( कर्तृ-कर्म-क्रिया) (1x3=3)**<br><br>**5. समयः** - अङ्कानां स्थाने शब्देषु समयलेखनम् **(1x4=4)**<br><br>(सामान्य - सपाद - सार्ध - पादोन)<br><br>**6. अव्ययपदानि (1x3=3)**<br>उच्चैः, च, श्वः, ह्यः , अद्य, अत्र-तत्र, यत्र-कुत्र, इदानीम्, (अधुना, सम्प्रति, साम्प्रतम्)<br>यदा, तदा, कदा, सहसा, वृथा, शनैः, अपि, कुतः, इतस्ततः, यदि-तर्हि, यावत्-तावत् ।<br><br>**7. अशुद्धि-संशोधनम् (वचन - लिङ्ग - पुरुष - लकार -दृष्ट्या संशोधनम्) (1x3=3)** |
| **पठितावबोधनम्** | **8. वाक्येषु रेखाङ्कितपदानि अधिकृत्य पञ्चप्रश्नानां निर्माणम् (1x5=5)**<br><br>**9. प्रसङ्गानुकूलं समुचितं शब्दार्थचयनम् (1x4=4)**<br><br>**10. भाषिककार्याय तत्त्वानि (पाठाधारितानि) (1x6=6)**<br><br>✓ वाक्ये कर्तृ - क्रिया पदचयनम्<br>✓ विशेषण - विशेष्य चयनम्, सर्वनाम<br>✓ पर्याय - विलोमपद - चयनम् |

**पुस्तकम् - 'शेमुषी -संस्कृत-पाठयपुस्तकम्  द्वितीयः भागः (दशमश्रेण्यै)**

**प्रथमसत्रीयायै परीक्षायै निर्धारिताः पाठाः -**

| पाठसङ्ख्या | पाठनाम |
|---|---|
| प्रथमः पाठः | शुचिपर्यावरणम् |
| द्वितीयः पाठः | बुद्धिर्बलवती सदा |
| चतुर्थः पाठः | शिशुलालनम् |
| पञ्चमः पाठः | जननी तुल्यवत्सला |

## अवधातव्यम् -

अनुप्रयुक्तव्याकरणस्य अंशानां चयनं यथासम्भवं 'शेमुषी' पाठ्यपुस्तकात् करणीयम्।

यदि ततः न सम्भवति  तर्हि 'अभ्यासवान् भव - द्वितीयो भागः' इत्यस्मात् कर्तुं शक्यते।

********************************************************************

# प्रथमसत्रान्तर्गतम् आन्तरिक-मूल्याङ्कनम्

# (10 अङ्काः)

**उद्देश्यानि**

- ❖ छात्राणां सृजनात्मकक्षमतायाः विकासः।
- ❖ श्रवण-भाषण-पठन-लेखनकौशलानां विकासः।
- ❖ चिन्तनक्षमतायाः आत्मविश्वासस्य च संवर्धनम्।

| क्र. सं | गतिविधयः | उदाहरणानि | अङ्काः | निर्देशाः | मूल्याङ्कनबिन्दवः |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | **आवधिक-परीक्षाः (पीरियोडिक्-असैस्मैंट)** | लिखितपरीक्षा | **2.5** | विद्यालयेन समये समये लिखितपरीक्षाणाम् आयोजनं करणीयं भवति। | परीक्षासु यत्र विद्यार्थिनः श्रेष्ठाः अङ्काः स्युः तयोः द्वयोः परीक्षयोः एव अधिभारः ग्रहीतव्यः। अपि च आवधिकपरीक्षासु अपि प्रश्नेषु आन्तरिकविकल्पाः देयाः। मूल्याङ्कनसमये यदि छात्रः सर्वान् प्रश्नान् उत्तरति तर्हि छात्रहिताय यत्र अधिकाः |
| 2 | **बहुविधमूल्याङ्कनम्** | ❖ कक्षायां पाठितस्य पाठस्य लघुमूल्याङ्कनम् <br>❖ [illegible] <br>❖ प्रश्नोत्तरी <br>❖ मौखिकी परीक्षा <br>❖ प्रतियोगिताः <br>❖ प्रश्नमञ्चस्य आयोजनम् | **2.5** | कक्षायां पाठित-पाठस्य विषयस्य वा बहुविधं मूल्याङ्कनम् अपेक्षितम् अस्ति। अनेन विद्यार्थिनां विविधकौशलानां मूल्याङ्कनं भवेत्। | ❖ मौलिकता <br>❖ विषयसम्बद्धता <br>❖ शुद्धता <br>❖ समयबद्धता <br>❖ प्रस्तुतीकरणम् |
| 3. | **निवेशसूचिका (पोर्टफोलियो)** | ❖ कक्षाकार्यम् <br>❖ सामूहिक-मूल्याङ्कनम् <br>❖ स्वमूल्याङ्कनम् <br>❖ विद्यार्थिनः विषयगताः उपलब्धयः | **2.5** | विद्यार्थिभिः कक्षायां कृतानां कार्याणाम् उपलब्धीनां च संरक्षणं संयोजनं च सञ्चिकायां पत्रावल्यां वा करणीयम्। एतेन समग्रं मूल्याङ्कनं | ❖ सुलेखः <br>❖ तथ्यात्मकता <br>❖ प्रामाणिकता <br>❖ समयबद्धता |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| **4.** | **भाषा-संवर्धनाय गतिविधयः**<br>**(क) श्रवण-भाषण-कौशलम्** | ❖ कथा<br>❖ संवादः/ वार्तालापः<br>❖ भाषणम्<br>❖ नाटकम्<br>❖ वार्ताः<br>❖ आशुभाषणम्<br>❖ संस्कृतगीतानि<br>❖ श्लोकोच्चारणम् | **2.5** | ❖ छात्राः कामपि कथां श्रावयितुं शक्नुवन्ति ।<br>❖ शिक्षकः कमपि विषयं सूचयित्वा परस्परं संवादं कारयितुं शक्नोति।<br>❖ दूरदर्शने वार्तावली इत्याख्यः संस्कृत-कार्यक्रमः प्रसारितः भवति तं द्रष्टुं छात्राः प्रेरणीयाः।<br>❖ श्रवण-कौशल-मूल्याङ्कनाय शिक्षकः स्वयम् अपि कथां श्रावयित्वा ततः सम्बद्ध-प्रश्नान् प्रष्टुं | ❖ उच्चारणम्<br>❖ शुद्धता<br>❖ समयबद्धता<br>❖ प्रस्तुतीकरणम्<br>आरोहावरोह-गतियति-प्रयोगः |
| | **(ख) लेखनकौशलम्** | ❖ विविधविषयान् आधृत्य मौलिकलेखनम् यथा- देशः, माता, पिता, गुरुः, विद्या पर्यावरणम्, योगः, समयस्य सदुपयोगः , शिक्षा, अनुशासनम् इत्यादयः।<br>❖ शैक्षिकभ्रमणस्य संस्कृतेन प्रतिवेदनलेखनम्<br>❖ दैनन्दिनीलेखनम् ।<br>❖ सङ्केताधारितं कथालेखनम् ।<br>❖ भित्तिपत्रिकायाः निर्माणम्।<br>❖ श्रुतलेखः<br>❖ सूक्तिलेखनम | | ❖ छात्राः यथाशक्यं कक्षायामेव लेखनकार्यं कुर्युः ।<br>❖ टिप्पणी- पुस्तिकायाः निर्माणम्।<br>❖ वैयक्तिकपरीक्षणम्। | ❖ विषय-सम्बद्धता<br>❖ शुद्धता (विशेषतः पञ्चमवर्णस्यप्रयोगः)<br>❖ समयबद्धता<br>❖ सुलेखः<br>❖ प्रस्तुतीकरणम् |

| | |
|---|---|
| | **अवधातव्यम्** -उपर्युक्त- गतिविधयश्च उदाहरणरूपेण प्रदत्ताः सन्ति। एतदतिरिच्य एतादृशाः अन्यविषयाः अपि भवितुमर्हन्ति। |

****************************************************************
******

**प्रथमसत्रीया परीक्षा**

**आदर्श-प्रश्नपत्रम् (बहुविकल्पात्मकम्) - 2021-22**

**कक्षा - दशमी**

**संस्कृतम् (कोड-122)**

**समयः - सार्धैक-होरा**

**सम्पूर्णाङ्काः - 40**

| | **अनुप्रयुक्त-व्याकरणम्** | |
|---|---|---|
| **1.** | **अधोलिखितवाक्येषु रेखाङ्कितपदस्य सन्धिपदं सन्धिच्छेदपदं वा चिनुत- (केवलं प्रश्नचतुष्टयम्)**<br>(i) तनुः **पेषयद् भ्रमति** सदा वक्रम् ।<br>(क) पेषयद + भ्रमति (ख) पेषयत् + भ्रमति<br>(ग) पेषय + भ्रमति (घ) पेषयति + भ्रमति<br>(ii) सर्वदा **सत् + मार्गे** गच्छेत् \|<br>(क) सद्मार्गे (ख) सदामार्गे<br>(ग) सन्मार्गे (घ) सत्मार्गे<br>(iii) अतिदीर्घः **प्रवासः + अयं** दारुणश्च।<br>(क) प्रवासोऽयम् (ख) प्रवासरयम्<br>(ग) प्रवास अयम् (घ) प्रवासोयम्<br>(iv) **कश्चित्** कृषकः बलीवर्दाभ्यां क्षेत्रकर्षणं करोति।<br>(क) कस् + चित् (ख) का + चित्<br>(ग) किम् + चित् (घ) कः + चित्<br>(v) **अयमेकः + तावत् विभज्य भुज्यताम्।**<br>(क) अयमेकश्तावत् (ख) अयमेकष्तावत | **1×4= 4** |

| | | |
|---|---|---|
| | (ग) अयमेकस्तावत् (घ) अयमेको तावत् | |
| 2. | **अधोलिखितवाक्येषु रेखाङ्कितपदानां समासं विग्रहं वा प्रदत्तविकल्पेभ्यः चिनुत-**<br>**(केवलं प्रश्नचतुष्टयम्)**<br>(i) रामः **<u>मृगस्य पश्चात्</u>** धावति।<br>(क) अनुमृगम् (ख) प्रतिमृगम्<br>(ग) उपमृगम् (घ) यथामृगम्<br>(ii) **<u>भयेन आकुलं</u>** व्याघ्रं दृष्ट्वा कश्चित् धूर्तः शृगालः हसन्नाह।<br>(क) भयेनाकुलम् (ख) भयाकुलम्<br>(ग) भयकुलम् (घ) भयाआकुलम्<br>(iii) तत्र **<u>पिकः च काकः च</u>** उडियेते<br>(क) काकपिकौ (ख) पिककाकौ<br>(ग) पिककाकस्य (घ) काकपिकयोः<br>(iv) कश्चित् कृषक: बलीवर्दाभ्यां **<u>क्षेत्रस्य कर्षणं</u>** कुर्वन्नासीत्।<br>(क) क्षेत्राकर्षणम् (ख) क्षेत्रं कर्षणम्<br>(ग) क्षेत्रस्यकर्षणम् (घ) क्षेत्रकर्षणम् | **1×4=4** |

| | | |
|---|---|---|
| | (v) श्रीरामः **<u>सवाष्पम्</u>** अवलोकयति।<br>(क) वाष्पस्य सहितम् (ख) सवः च वाष्पं च<br>(ग) वाष्पेन सहितम् (घ) वाष्पस्य अभावः | |
| **3.** | **अधोलिखितवाक्येषु रेखाङ्कितपदानां प्रकृति-प्रत्ययौ संयोज्य विभज्य वा उचितम् उत्तरं विकल्पेभ्यः चिनुत- (केवलं प्रश्नचतुष्टयम्)**<br>(i) अन्योऽपि **<u>बुद्धिमान्</u>** लोके मुच्यते महतो भयात् ।<br>(क) बुद्धि + तल् (ख) बुद्धि + टाप्<br>(ग) बुद्धि + मतुप् (घ) बुद्धि + त्व<br>(ii) जननी तुल्य - **<u>वत्सला</u>** भवति \|<br>(क) वत्स + टाप् (ख) वत्सल + टाप्<br>(ग) वत्सल + त्व (घ) वत्स+ क्त<br>(iii) बुद्धिः **<u>बल + मतुप्</u>** तन्वि सर्वकार्येषु सर्वदा।<br>(क) बलमती (ख) बलवान्<br>(ग) बलवती (घ) बलवत्यः<br>(iv) कोरोनाकाले **<u>मानव+त्व</u>** दृश्यते।<br>(क) मानवत्वम् (ख) मानवता<br>(ग) मानवीयतवम् (घ) मानवत्व<br>(v) वेदानां **<u>महत्त्वं</u>** को न जानाति।<br>(क) महत् + क्त्वा (ख) मह + त्व<br>(ग) महत्त् + त्व (घ) महत् + त्व | **1×4= 4** |
| **4.** | **वाच्यस्य नियमानुगुणम् उचितं विकल्पं चिनुत। (केवलं प्रश्नत्रयम्)** | **1×3= 3** |

| | | |
|---|---|---|
| | (i) रमा ---------------------- खादति।<br>(क) पायसम् (ख) पायसः<br>(ग) पायसेन (घ) पायसस्य<br><br>(ii) --------------------- विद्यालय: गम्यते ।<br>(क) अहम् (ख) माम्<br>(ग) मया (घ) मह्यम्<br>(iii) महिलया रोटिकाः --------------- ।<br>(क) खाद्यते (ख) खाद्यन्ते<br>(ग) खाद्येते (घ) खादन्ति<br>(iv) -------------------- पुस्तकानि आनयति ।<br>(क) शिक्षकाः (ख) शिक्षकौ<br>(ग) शिक्षकः (घ) शिक्षकेण | |
| **5.** | **प्रदत्तेभ्यः विकल्पेभ्यः समुचितं कालबोधकशब्दं चिनुत - (केवलं प्रश्नचतुष्टयम्)**<br>(i) वृद्धा प्रात: --------------------- **(08:00)** उत्तिष्ठति ।<br>(क) सार्ध-**अष्ट**वादने (ख) **अष्ट**वादने<br>(ग) पादोन-**अष्ट**वादने (घ) आष्टवादने<br>(ii) जनशताब्दी इति रेलयानं --------------------- **(4:45)** रायपुरम् आगच्छति।<br>(क) सार्ध-**चतुर्वा**दने (ख) **पादोन-चतुर्वा**दने | **1×4=4** |

| | | |
|---|---|---|
| | (ग) **पादोन-पञ्चवादने** (घ) सपाद - चतुर्वादने<br>(iii) मोहनः --------------------- **(7:30)** अल्पाहारं करोति।<br>(क) सार्ध-सप्तवादने (ख) सपाद-सप्तवादने<br>(ग) पादोन-सप्तवादने (घ) सप्तवादने<br>(iv) मम पिता प्रातर्भ्रमणाय --------------------- **(6:15)** उद्यानं गच्छति।<br>(क) षड्वादने (ख) सार्ध-षड्वादने<br>(ग) पादोन-षड्वादने (घ) **सपाद-** षड्वादने<br>(v) रेलयानमेकं -------------------------- **(1:15)** बिलासपुर-नगरं प्रति गच्छति।<br>(क) सार्ध-**एकवा**दने (ख) सपाद-**एकवा**दने<br>(ग) पादोन-**एकवा**दने (घ) एकवादने | |
| **6.** | **वाक्यानुगुणम् उचिताव्ययपदं चिनुत - (केवलं प्रश्नत्रयम्)**<br>(i) दुर्वहम् ----------------------- जीवितं जातं प्रकृतिरेव शरणम्।<br>(क) तर्हि (ख) शनैः<br>(ग) सहसा (घ) अत्र<br>(ii) रमा --------------------- अशोकनगरं गमिष्यति।<br>(क) तर्हि (ख) श्वः<br>(ग) ह्यः (घ) च<br>(iii) सः दीनः इति जानन् ---------------- कृषकः तं बहुधा पीडयति। | **1×3= 3** |

| | | |
|---|---|---|
| | (क) श्वः (ख) कुतः<br>(ग) अपि (घ) ह्यः<br>(iv) ---------------------- वृष्टिः भवति।<br>(क) श्वः (ख) च<br>(ग) ह्यः (घ) इदानीम् | |
| **7.** | **अधोलिखितवाक्येषु रेखाङ्कितपदम् अशुद्धम् अस्ति। शुद्धं पदं विकल्पेभ्यः चिनुत-**<br>**(केवलं प्रश्नत्रयम्)**<br>(i) त्वं पुस्तकम् **<u>नयति</u>**।<br>(क) नयथ (ख) नयसि<br>(ग) नयन्ति (घ) नयथः<br>(ii) **<u>फलाः</u>** करण्डके सन्ति।<br>(क) फलम् (ख) फलः<br>(ग) फलानि (घ) फले<br>(iii) तौ बालकौ **<u>क्रीडति</u>**।<br>(क) क्रीडसि (ख) क्रीडन्ति<br>(ग) क्रीडति (घ) क्रीडतः<br>(iv) सीता श्व: **<u>गच्छति।</u>**<br>(क) गमिष्यति (ख) अगच्छत्<br>(ग) गच्छतु (घ) गच्छसि | **1×3=3** |
| | **पठितावबोधनम्** | |

| | | |
|---|---|---|
| **8.** | **रेखाङ्कित-पदानि आधृत्य समुचितं प्रश्नवाचकपदं चिनुत- (केवलं प्रश्नपञ्चकम्)**<br>(i) **सुराधिपः** ताम् अपृच्छत्।<br>(क) किम्<br>(ख) कस्य<br>(ग) कः<br>(घ) कम्<br>(ii) **धेनूनाम्** माता सुरभिः आसीत् ।<br>(क) कस्मै<br>(ख) कासाम्<br>(ग) कदा<br>(घ) कुत्र<br>(iii) त्वं **मानुषात्** बिभेषि।<br>(क) कस्मात् (ख) कुतः<br>(ग) कस्याः (घ) कति<br>(iv) **आर्यस्य** वन्दनायां लव इत्यात्मानं श्रावयामि।<br>(क) कस्मिन् (ख) कस्य<br>(ग) कस्याः (घ) कस्मै<br>(v) बुद्धिमती **चपेटया** पुत्रौ प्रहृतवती।<br>(क) कया<br>(ख) काभ्यः<br>(ग) कस्मात् (घ) किम्<br>(vi) **तपोवने** तस्य नाम व्यवहरति।<br>(क) कुत्र (ख) के<br>(ग) कस्याम् (घ) कुतः | **1×5=5** |

| | | |
|---|---|---|
| 9. | **अधोलिखितवाक्येषु रेखाङ्कितपदानां प्रसङ्गानुकुलम् उचितार्थं चिनुत- (केवलं प्रश्नचतुष्टयम्)**<br>(i) तस्य **<u>भार्या</u>** बुद्धिमती पुत्रद्वयोपेता पितुर्गृहं प्रति चलिता ।<br>(क) पुत्री<br>(ख) पत्नी<br>(ग) भगिनी (घ) मातुली<br>(ii) व्याघ्रमारी काचिदियमिति मत्वा व्याघ्रो भयाकुलचित्तो **<u>नष्टः</u>**।<br>(क) खादितः (ख) दत्तः<br>(ग) कृतः (घ) पलायितः<br>(iii) **<u>वयस्य</u>** अपूर्वं खलु नामधेयम् ।<br>(क) मित्र ।<br>(ख) पथिक<br>(ग) वृद्धः<br>(घ) भ्राता<br>(iv) किं कुपिता एवं **<u>भणति</u>**, उत प्रकृतिस्था?<br>(क) कथयति (ख) ताडयति<br>(ग) गर्जति (घ) हसति<br>(v) एकान्ते **<u>कान्तारे</u>** क्षणमपि मे स्यात् सञ्चरणम् ।<br>(क) ग्रामे<br>(ख) नगरे<br>(ग) वने<br>(घ) कृषकस्य गृहे | 1×4=4 |
| 10. | **भाषिककार्यसम्बद्धानां प्रश्नानां समुचितम् उत्तरं विकल्पेभ्यः चिनुत - (केवलं प्रश्नषट्कम्)**<br>(i) "कृषकः दुर्बलं वृषभं नुद्यमानः अवर्तत" अस्मिन् वाक्ये विशेष्यपदं किम्? | 1×6=6 |

| | | |
|---|---|---|
| | (क) कृषकः (ख) अवर्तत<br>(ग) दुर्बलं (घ) वृषभं<br>(ii) "यदि एवं तर्हि मां निजगले बद्ध्वा चल सत्वरम्।' अत्र 'शीघ्रम्' पदस्य पर्यायपदं किम्?<br>(क) यदि (ख) बद्ध्वा<br>(ग) सत्वरम् (घ) तर्हि<br>(iii) "अस्ति देउलाख्यो नाम ग्रामः।" अत्र क्रियापदं किम्?<br>(क) अस्ति (ख) देउलाख्यो<br>(ग) नाम (घ) ग्रामः<br>(iv) "सः कृच्छ्रेण भारमुद्वहति।" अत्र 'सरलतया' इत्यस्य किं विलोमपदं प्रयुक्तम्?<br>(क) सः (ख) कृच्छ्रेण<br>(ग) उद्वहति (घ) भारम्<br>(v) "यानानां पङ्क्तयो ह्यनन्ताः।" अस्मिन् वाक्ये किं विशेषणपदं प्रयुक्तम्?<br>(क) यानानाम् (ख) पङ्क्तयः<br>(ग) अनन्ताः (घ) हि<br>(vi) ''सः व्याघ्रः तथा कृत्वा काननं ययौ।" अत्र कर्तृपदं किम्?<br>(क) सः (ख) व्याघ्रः<br>(ग) काननम् (घ) ययौ | |

(vii) “अतिदीर्घः प्रवासोऽयं दारुणश्च।” अत्र विशेष्यपदं किम्?

(क) अतिदीर्घः (ख) अयम्

(ग) दारुणः (घ) प्रवासः

(viii) “दुर्दान्तैर्दशनैरमुना स्यान्नैव जनग्रसनम्” अत्र ‘दन्तैः’ इत्यर्थे किं पदं दत्तम्?

(क) दुर्दान्तैर्दशनैः (ख) दर्दान्तैः

(ग) दशनैः (घ) जनग्रसनम

**पुस्तकम् - ‘शेमुषी -संस्कृत-पाठयपुस्तकम् द्वितीयः भागः (दशमश्रेण्यै)**

**प्रथमसत्रीयायै परीक्षायै निर्धारिताः पाठाः -**

| **पाठसङ्ख्या** | **पाठनाम** |
|---|---|
| प्रथमः पाठः | शुचिपर्यावरणम् |
| द्वितीयः पाठः | बुद्धिर्बलवती सदा |
| चतुर्थः पाठः | शिशुलालनम् |

## प्रतिपाठस्य व्याकरणांशाः

### प्रथमः पाठः - शुचिपर्यावरणम्

**अनुप्रयुक्तव्याकरणम् =**

प्रकृतिरेव= प्रकृति: + एव

महानगरमध्ये = महानगराणां मध्ये (षष्ठी-तत्पुरुष:)

चलदनिशम् = चलत् + अनिशम्

कालायसचक्रम्= कालायासस्य चक्रम् (षष्ठी-तत्पुरुष:)

दुर्दान्तैर्दशनैरमुना =दुर्दान्तै:+ दशनै:+अमुना

स्यान्नैव = स्यात् + न + एव

जनग्रसनम्= जनानां ग्रसनम् । (षष्ठी-तत्पुरुष:)

वाष्पयानमाला =वाष्पयानानां माला (षष्ठी-तत्पुरुष:)

वायुमण्डलम् = वायो: मण्डलम् (षष्ठी-तत्पुरुष:)

कुत्सितवस्तुमिश्रितम् = कुत्सितवस्तुभि: मिश्रितम् (तृतीयातत्पुरुष:)

समलम् = मलेन सहितम् (अव्ययीभाव:)

धरातलम् = धराया: तलम् (षष्ठी-तत्पुरुष:)

मामस्मान्नगरात् = माम् +अस्मात् + नगरात्

ग्रामान्ते = ग्रामस्य अन्ते (षष्ठी-तत्पुरुष:)

निर्झर-नदी-पय:पूरम् = निर्झर: च नदी च पय:-पूर: च (द्वन्द्व:)

कुसुमावलि:= कुसुमानाम् आवलि: (षष्ठी-तत्पुरुष:) , कुसुम+आवलि:

समीरचालिता= समीरेण चालिता (तृतीया तत्पुरुष:)

स्यान्मे= स्यात् + मे

मिलिता = मिलित +टाप्

खगानां कुलम् =खगकुलम् (षष्ठी तत्पुरुष:)

खगकुलानां कलरव:=खगकुलकलरव: (षष्ठी तत्पुरुष:)

खगकुलकलरवगुञ्जित: = खगकुलकलरवेण गुञ्जित: (तृतीया तत्पुरुष:)

वनदेश: = वनानां देश: (षष्ठी तत्पुरुष:

सुखसन्देश: = सुखस्य सन्देश: सुखसन्देश:( षष्ठी तत्पुरुष:)

जीवितरस: = जीवितस्य रस: जीवितरस: ( षष्ठी तत्पुरुष:) ,

जीवितरसस्य हरणम्  जीवितरसहरणम् ( षष्ठी तत्पुरुष:)

प्रस्तरतले= प्रस्तरस्य तल:, तस्मिन् (षष्ठीतत्पुरुष:)

लतातरुगुल्मा = लता: च तरव: च गुल्मा: च (द्वन्द्व:)

सभ्यता = सभ्य +तल्

स्यान्न = स्यात् + न

जीवन्मरणम्= जीवत् + मरणम्

**प्रतिपाठस्य व्याकरणांशाः**

**द्वितीयः पाठः - बुद्धिर्बलवती सदा**

**अनुप्रयुक्तव्याकरणम् =**

बल + मतुप् = बलवती

देउलाख्यो ग्राम: = देउलाख्य: + ग्राम:

अयमेकस्तावद्विभज्य = अयम् + एक: + तावत् + विभज्य

चलिता = चलित+ टाप्

राजसिंह: = राज्ञ: सिंह: ( षष्ठी तत्पुरुष:)

काचिदियमिति = काचित् + इयम् + इति

भयाकुलचित्तो नष्ट: = भय + आकुलचित्त: + नष्ट:

अन्योऽपि = अन्य: + अपि

हसन्नाह = हसन् + आह

कश्चित् = क: + चित्

तदग्रत: = तत् + अग्रत:

यन्मानुषादपि = यत् + मानुषात् + अपि

विमुक्ता = विमुक्त + टाप्

दृष्टा = दृष्ट + टाप्

धूर्ता = धूर्त + टाप्

प्रत्यक्षम् = अक्षम् अक्षं प्रति इति ( अव्ययीभाव: )

व्याघ्रोऽपि = व्याघ्र: + अपि

गलबद्ध: = गलेन बद्ध: ( तृतीया तत्पुरुष:)

**प्रतिपाठस्य व्याकरणांशाः**

**चतुर्थः पाठः - शिशुलालनम्**

**अनुप्रयुक्तव्याकरणम्**

कुशलवौ= कुश: च लव: च (द्वन्द्व समासः)

कण्ठाश्लेष: = कण्ठेन आश्लेष: (तृतीया तत्पुरुषः)

राजासनम्=राज्ञ: आसनम् (षष्ठी तत्पुरुषः)

सव्यवधानम्=व्यवधानेन सहितम् (अव्ययीभावः)

चरित्रलोपाय=चरित्रस्य लोपाय (षष्ठी तत्पुरुषः)
अङ्कव्यवहितम्=अङ्केन व्यवहितम् (तृतीया तत्पुरुषः)
अतिशालीनता=अतिशालीन+तल्
को वा = कः + वा
वयसस्तु=वयसः+तु
किञ्चिदन्तरम्=किञ्चित्+अन्तरम्
आर्योऽपि=आर्यः+अपि
किं नामधेयो भवतोर्गुरुः=किम्+नामधेयः+ भवतोः+गुरुः
सूर्यचन्द्रयोः=सूर्यः च चन्द्रः च, तयोः (द्वन्द्व समासः)
नामतो वेदितुमिच्छामि = नामतः+ वेदितुम्+इच्छामि
कश्चिदस्मिन्=कश्चित्+अस्मिन्
निरनुक्रोशो नाम=निरनुक्रोशः+ नाम
किञ्चिदविनयम् = किञ्चित्+अविनयम्
धिङ् माम् = धिक्+माम्
स्वापत्यम्= स्वस्याः अपत्यम् (षष्ठी तत्पुरुषः)
सवाष्पम्=वाष्पेण सहितम् (अव्ययीभावः)
कुपिता=कुपित+टाप्
प्रकृतिस्था= प्रकृतिस्थ+टाप्
अवमानिता=अवमानित+टाप्
प्रवासोऽयं= प्रवासः+अयम्
दारुणश्च=दारुणः+च
कुतूहलेनाविष्टो मातरम् = कुतूहलेनाविष्टः+ मातरम्
विशेषतस्तपोवने= विशेषतः+तपोवने
कोऽत्र = कः+अत्र
तपोवनवासिनो देवी = तपोवनवासिनः+देवी
इतस्तावत्= इतः+तावत्
उपाध्यायदूतोऽस्मान्= उपाध्यायदूतः+अस्मान्
सन्दर्भोऽयम् = सन्दर्भः + अयम्
सोऽयं परिकरः= सः+अयम् परिकरः
अपूर्वोऽयं = अपूर्वः+अयम्

तदहं = तत्+अहम्

प्रेष्यतामस्मदन्तिकं सौमित्रि:= प्रेष्यताम्+अस्मत्+अन्तिकम्+सौमित्रि:

कुटुम्बवृत्तान्त:=कुटुम्बस्य वृत्तान्त: (षष्ठी तत्पुरुषः)

रामायणगानस्य= रामायणस्य गानस्य (षष्ठी तत्पुरुषः)

उपाध्यायदूत:= उपाध्यायस्य दूत: (षष्ठी तत्पुरुषः)

मुनिनियोग:= मुने: नियोग: (षष्ठी तत्पुरुषः)

सरस्वत्यवतार:= सरस्वत्या: अवतार: (षष्ठी तत्पुरुषः)

किंनामधेया= किंनामधेय+टाप्

सञ्जाता= सम्+जन्+क्त+टाप्

श्लाघ्या= श्लाघ्य+टाप्

शिशुजनो वयोऽनुरोधात्= शिशुजन:+वय:+अनुरोधात्

हिमकरोऽपि= हिमकर:+अपि

वयोऽनुरोधात्= वयस: अनुरोधात् (षष्ठी तत्पुरुषः)

बालभावात्= बालस्य भावात् (षष्ठी तत्पुरुषः)

छ्दत्वम् = छद+त्व

पुराणो व्रतनिधि: = पुराण:+ व्रतनिधि:

सन्दर्भोऽयं = सन्दर्भः + अयम्

## प्रतिपाठस्य व्याकरणांशाः

### पञ्चमः पाठः - जननी तुल्यवत्सला

**अनुप्रयुक्तव्याकरणम्**

वत्सल + टाप् = वत्सला

कः + चित् = कश्चित्

अशक्तः + चासीत् = अशक्तश्चासीत्

क्षेत्रकर्षणम् - क्षेत्रस्य कर्षणम् (षष्ठी तत्पुरुषः)

शरीरदुर्बलः - शरीरेण दुर्बलः (तृतीया तत्पुरुषः)

स्वपुत्रम्- स्वस्य पुत्रम् (षष्ठी तत्पुरुषः)

सर्वधेनूनाम्- सर्वासां धेनूनाम् (षष्ठी तत्पुरुषः)

सुराधिपः- सुराणाम् अधिपः (षष्ठी तत्पुरुषः)

त्रिदशाधिपः- त्रिदशानाम् अधिपः (षष्ठी तत्पुरुषः)

विनिपातो न = विनिपातः + न

पृष्ठ + टाप् = पृष्ठा

पुत्रसहस्रम्- पुत्राणां सहस्रम् (षष्ठी तत्पुरुषः)

आत्मवेदनाम्- आत्मनः वेदनाम् (षष्ठी तत्पुरुषः)

सुरभिवचनम्- सुरभेः वचनम् (षष्ठी तत्पुरुषः)

विस्मिताखण्डलस्य- विस्मितस्य आखण्डलस्य (षष्ठी तत्पुरुषः)

अचिरादेव- अचिरात्+एव

मेघरवैश्च- मेघरवैः+ च

चण्डवातेन – चण्डेन वातेन (तृतीया तत्पुरुषः)

मेघरवैः- मेघानां रवैः (षष्ठी तत्पुरुषः)

जलोपप्लवः – जलानाम् उपप्लवः (षष्ठी तत्पुरुषः)

हर्षातिरेकेण – हर्षस्य अतिरेकेण (षष्ठी तत्पुरुषः)

कर्षणविमुखः – कर्षणात् विमुखः (पञ्चमी तत्पुरुषः)

※※※※※※※※※※※※※※※※※※※※※※※※※※※※※※※※※※※※※※※※※※

## प्रथमसत्रीया परीक्षा
## आदर्श-प्रश्नपत्रम् (बहुविकल्पात्मकम्) - 2021-22
## कक्षा - दशमी
## संस्कृतम् (कोड-122)

## उत्तर-पत्रकम् (Answer key)

| | | |
|---|---|---|
| | **अनुप्रयुक्त-व्याकरणम्** | |
| 1. | **अधोलिखितवाक्येषु रेखाङ्कितपदस्य सन्धिपदं सन्धिच्छेदपदं वा चिनुत- (केवलं प्रश्नचतुष्टयम्)**<br>(i) तनुः **पेषयद् भ्रमति** सदा वक्रम् ।<br>(ख) पेषयत् + भ्रमति<br>(ii) सर्वदा **सत् + मार्गे** गच्छेत् \|<br>(ग) सन्मार्गे<br>(iii)अतिदीर्घः **प्रवासः + अयं** दारुणश्च।<br>(क) प्रवासोऽयम्<br>(iv) **कश्चित्** कृषकः बलीवर्दाभ्यां क्षेत्रकर्षणं करोति।<br>(घ) कः + चित्<br>(v) **अयमेकः + तावत् विभज्य भुज्यताम्।**<br>(ग) अयमेकस्तावत् | 1×4=<br>4 |
| 2. | **अधोलिखितवाक्येषु रेखाङ्कितपदानां समासं विग्रहं वा प्रदत्तविकल्पेभ्यः चिनुत-**<br>**(केवलं प्रश्नचतुष्टयम्)**<br>(i) रामः **मृगस्य पश्चात्** धावति।<br>(क) अनुमृगम्<br>(ii) **भयेन आकुलं** व्याघ्रं दृष्ट्वा कश्चित् धूर्तः शृगालः हसन्नाह।<br>(ख) भयाकुलम्<br>(iii) तत्र **पिकः च काकः च** उडियेते<br>(ख) पिककाकौ<br>(iv) कश्चित् कृषक: बलीवर्दाभ्यां **क्षेत्रस्य कर्षणं** कुर्वन्नासीत्। | 1×4=<br>4 |

| | | |
|---|---|---|
| | (घ) क्षेत्रकर्षणम्<br>(v) श्रीरामः **<u>सवाष्पम्</u>** अवलोकयति।<br>(ग) वाष्पेन सहितम् | |
| **3.** | **अधोलिखितवाक्येषु रेखाङ्कितपदानां प्रकृति-प्रत्ययौ संयोज्य विभज्य वा उचितम् उत्तरं विकल्पेभ्यः चिनुत- (केवलं प्रश्नचतुष्टयम्)**<br>(i) अन्योऽपि **<u>बुद्धिमान्</u>** लोके मुच्यते महतो भयात् ।<br>(ग) बुद्धि + मतुप्<br>(ii) जननी तुल्य - **<u>वत्सला</u>** भवति \|<br>(ख) वत्सल + टाप्<br>**(iii)** बुद्धिः **<u>बल + मतुप्</u>** तन्वि सर्वकार्येषु सर्वदा।<br>(ग) बलवती<br>(iv) कोरोनाकाले **<u>मानव+त्व</u>** दृश्यते।<br>(क) मानवत्वम्<br>(v) वेदानां **<u>महत्त्वं</u>** को न जानाति।<br>(घ) महत् + त्व | **1×4= 4** |
| **4.** | **वाच्यस्य नियमानुगुणम् उचितं विकल्पं चिनुत। (केवलं प्रश्नत्रयम्)**<br>(i) रमा ---------------------- खादति।<br>(क) पायसम्<br>(ii) --------------------- विद्यालयः गम्यते ।<br>(ग) मया<br>(iii) महिलया रोटिकाः --------------- ।<br>(ख) खाद्यन्ते<br>(iv) -------------------- पुस्तकानि आनयति ।<br>(ग) शिक्षकः | **1×3= 3** |
| **5.** | **प्रदत्तेभ्यः विकल्पेभ्यः समुचितं कालबोधकशब्दं चिनुत - (केवलं प्रश्नचतुष्टयम्)**<br>(i) वृद्धा प्रातः --------------------- **(08:00)** उत्तिष्ठति ।<br>(ख) **अष्ट**वादने | **1×4= 4** |

| | | |
|---|---|---|
| | (ii) जनशताब्दी इति रेलयानं --------------------- **(4:45)** रायपुरम् आगच्छति।<br>(ग) **पादोन-पञ्चवा**दने<br>(iii) मोहनः --------------------- **(7:30)** अल्पाहारं करोति।<br>(क) सार्ध-सप्तवादने<br>(iv) मम पिता प्रातर्भ्रमणाय --------------------- **(6:15)** उद्यानं गच्छति।<br>(घ) **सपाद-**षड्वादने<br>(v) रेलयानमेकं -------------------------- **(1:15)** बिलासपुर-नगरं प्रति गच्छति।<br>(ख) सपाद-**एकवा**दने | |
| **6.** | **वाक्यानुगुणम् उचिताव्ययपदं चिनुत - (केवलं प्रश्नत्रयम्)**<br>(i) दुर्वहम् ----------------------- जीवितं जातं प्रकृतिरेव शरणम्।<br>(घ) अत्र<br>(ii) रमा --------------------- अशोकनगरं गमिष्यति।<br>(ख) श्वः<br>(iii) सः दीनः इति जानन् ----------------- कृषकः तं बहुधा पीडयति।<br>(ग) अपि<br>(iv) ---------------------- वृष्टिः भवति।<br>(घ) इदानीम्<br>उपसृत्य प्रणम्य ---------------------- कुशलवौ वदतः।<br>(ख) च | **1×3= 3** |
| **7.** | **अधोलिखितवाक्येषु रेखाङ्कितपदम् अशुद्धम् अस्ति। शुद्धं पदं विकल्पेभ्यः चिनुत-**<br>**(केवलं प्रश्नत्रयम्)**<br>(v) त्वं पुस्तकम् **<u>नयति</u>**।<br>(ख) नयसि<br>(vi) **<u>फलाः</u>** करण्डके सन्ति।<br>(ग) फलानि<br>(vii) तौ बालकौ **<u>क्रीडति</u>**।<br>(घ) क्रीडतः | **1×3= 3** |

| | | |
|---|---|---|
| | (viii) सीता श्व: **<u>गच्छति।</u>**<br>(क) गमिष्यति | |
| | **पठितावबोधनम्** | |
| 8. | **रेखाङ्कित-पदानि आधृत्य समुचितं प्रश्नवाचकपदं चिनुत- (केवलं प्रश्नपञ्चकम्)**<br>(i) **<u>सुराधिपः</u>** ताम् अपृच्छत्।<br>(ग) कः<br>(ii) **<u>धेनूनाम्</u>** माता सुरभिः आसीत् ।<br>(ख) कासाम्<br>(iii) त्वं **<u>मानुषात्</u>** बिभेषि।<br>(क) कस्मात्<br>(iv) **<u>आर्यस्य</u>** वन्दनायां लव इत्यात्मानं श्रावयामि।<br>(ख) कस्य<br>(v) बुद्धिमती **<u>चपेटया</u>** पुत्रौ प्रहृतवती।<br>(क) कया<br>(vi) **<u>तपोवने</u>** तस्य नाम व्यवहरति।<br>(क) कुत्र | **1×5= 5** |
| 9. | **अधोलिखितवाक्येषु रेखाङ्कितपदानां प्रसङ्गानुकुलम् उचितार्थं चिनुत- (केवलं प्रश्नचतुष्टयम्)**<br>(i) तस्य **<u>भार्या</u>** बुद्धिमती पुत्रद्वयोपेता पितुर्गृहं प्रति चलिता ।<br>(ख) पत्नी<br>(ii) व्याघ्रमारी काचिदियमिति मत्वा व्याघ्रो भयाकुलचित्तो **<u>नष्टः</u>**।<br>(घ) पलायितः<br>(iii) **<u>वयस्य</u>** अपूर्वं खलु नामधेयम् ।<br>(क) मित्र \|<br>(iv) किं कुपिता एवं **<u>भणति</u>**, उत प्रकृतिस्था?<br>(क) कथयति<br>(v) एकान्ते **<u>कान्तारे</u>** क्षणमपि मे स्यात् सञ्चरणम् ।<br>(ग) वने | **1×4= 4** |

| | | |
|---|---|---|
| 10. | **भाषिककार्यसम्बद्धानां प्रश्नानां समुचितम् उत्तरं विकल्पेभ्यः चिनुत - (केवलं प्रश्नषट्कम्)**<br>(i) "कृषकः दुर्बलं वृषभं नुद्यमानः अवर्तत" अस्मिन् वाक्ये विशेष्यपदं किम्?<br>(घ) वृषभं<br>(ii) "यदि एवं तर्हि मां निजगले बद्ध्वा चल सत्वरम्।' अत्र 'शीघ्रम्' पदस्य पर्यायपदं किम्?<br>(ग) सत्वरम्<br>(iii) "अस्ति देउलाख्यो नाम ग्रामः।" अत्र क्रियापदं किम्?<br>(क) अस्ति<br>(iv) "सः कृच्छ्रेण भारमुद्वहति।" अत्र 'सरलतया' इत्यस्य किं विलोमपदं प्रयुक्तम्?<br>(ख) कृच्छ्रेण<br>(v) "यानानां पङ्क्तयो ह्यनन्ताः।" अस्मिन् वाक्ये किं विशेषणपदं प्रयुक्तम्<br>(ग) अनन्ताः<br>(vi) ''सः व्याघ्रः तथा कृत्वा काननं ययौ।" अत्र कर्तृपदं किम्?<br>(ख) व्याघ्रः<br>(vii) "अतिदीर्घः प्रवासोऽयं दारुणश्च।" अत्र विशेष्यपदं किम्?<br>(घ) प्रवासः<br>(viii) "दुर्दान्तैर्दशनैरमुना स्यान्नैव जनग्रसनम्" अत्र 'दन्तैः' इत्यर्थे किं पदं दत्तम्?<br>(ग) दशनैः | 1×6=6 |

ᴙᴙᴙᴙᴙᴙᴙᴙᴙᴙᴙᴙᴙᴙᴙᴙᴙᴙᴙᴙᴙᴙᴙᴙᴙᴙᴙᴙᴙᴙᴙᴙᴙᴙᴙᴙᴙᴙᴙᴙᴙᴙ

शुभं भवतु |